BIHAR 60Rs.

साठ रुपया

भारत

INDIA

SIXTY RUPEES

६० रु. 60RS.

१ नाम मोकिरान १ श्री जय सिंह राय Shri Jai Singh Rai

२ श्री सरजु राय Shri Sarju Rai

३ श्री द्वारिका राय Shri Dwarik Rai

४ श्री विजय राय Shri Bijai Rai

पिता का नाम श्री सियाजी राय

तीनों का नाम स्वर्गीय श्री

पिता महतो।

५ श्री मती गुलजारी देवी पत्नी

का नाम श्री सियाजी राय

पिता का नाम स्वर्गीय श्री

पिता महतो मौजूद

साकिनान मौजा चान्दपुरा

पहाड़पुर थाना रघोपुर जिला

मुजफ्फरपुर मोकिरान लेखकी

की जानीतुल को मोकिरान ५

२ नाम मोहिब आली	श्रीमती गुलाबो देवी Shri Mati Gulabo Devi पत्नी भोलानाथ श्री शिवनारायण यादव जिवित साकिन पहाड़पुर थाना जहनीयां जिला गाजीपुर पेशा गृहणी
३ किस्म वसीका	केवाला बय अलकतई Deed of Absolute Sale
४ तादाद जो समन	मो० १५००/- एक हजार पांच सौ रुपया मात्र Rs. 1500/- only
५ सम्पत्ति औ मिलकियत	हमगी यो तमाम मवाजी 5½ एक्ड़ारो एराजी मजरुआ आहकियत वाले ऐसी कायमी वि मिरी नम्बरी ... घाहर मय हक बनाने मकान कोमय हक सफुनत के हक मिरु अजत को हक आशायस को हक तामक के जिमदी मालगुजारी सालाना मो० २०/- आमय

15

नं० १४ हाल थाना गर्दनीबाग सबरजिस्ट्री की जिला पटना के तौजी नं० ५२८१ (बावन सौ इक्यासी) खाता नं० १५६ (एक सौ छप्पन) की जुजो रकबा सर्वे नं० २९४ (दो सौ चौरानबे) में प्लॉट नं० २९४ का रकबा सर्वे खतीयान के मुताबिक २०डी० है जिसमें रकबाजी ३डी० दक्षिण में जुमला मकान इत्यादि बदस्त मौसिद्धा अन्नाहो के बिक्री हो चुका है / और रकबाजी १७डी० रकबाजी मौसिआन का है जो मौजूद वक्त नापने में सिर्फ रकबाजी ६४-१०-६ सवीयार कम आता है उसमें से रकबाजी ६१ एक धुर दक्षिण में अंश मोबैया है चौहद्दी हस्ब जैल है अन्दर वार्ड नं० ३७ (सैंतीस) सर्किल नं० २ — अन्दर पटना नगर निगम, रजिस्ट्री सिटी मालकार बजरिए अंचलाधिकारी सदर पटना

जिला — पटना
थाना — गर्दनीबाग
मौजा — [illegible]

उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
मौसिआन की बची हुई आराजी अन्दर प्लॉट नं० २९४ जिसमें से रकबाजी ६१ धुर कम आता ही बजरिए दस्तावेज मारफत श्रीमती [illegible] देवी बेच दिया	रकबाजी ३डी० प्लॉट नं० २९४ जो मौसिद्धा अन्नाहो बिक्री कर चुकी है	लेडी अनीस इमाम	शिवनारायण यादव

मतामीन

अर्जांजा मोकियान नं० १ ता ८ आपत्र में बाहल
इक्किची है और मोकिया नं० ५ मा मोकियान
नं० १ ता ८ कीहै

अर्जांजाके एराजी फ्लॉट नं० २८ आमकी
दिगर जमी नागत खाता नं० ५ में बनीयाद इजराय
है दाज है मतलका नानीयानी मोकियान नं० १ ता ८
को मतलका नैबही मोकिया नं० ५ की है कि जायज
मोकियान नं० १ ता ८ अजतानीववकात ममोमात
बाशमती कुअर नानी कोमोकियान ५ अज
तानीवकात को बाशमती कुअर मादर अपने
यहै तीयत मालीक मुत्तकिककाबीज कदावीला
है और जीत आबाद करके व आदाय लगान
मीतमालिक महालीक को होते चले आते हैं १-२ और
नाम मोकियान की बीमीतें जमिनदारी दाजा है और
सीट बनाम मनमोकियान करती है।

अर्जांजाके मनमोकियान की जानी नकशा
की बाबत ~~साबिक~~ आदाय जा रहेन खोदनी
~~बा सर्वे~~ सर्वेसीयर बाबत मौजा सीमीनवादपथ गर्दनीबाग अंचल
पटना को चन्द्रशाली (पास किये हैं) और वे जो किए
किसी मामला के सामान तलपा की फिजहात मे बाजीब
बाम में दुरूस्त है मनमोकियान बनामवे काबुदा और
पहीमान अपने दखल कायम किया कि
बचा है उन एराजी फ्लॉट नं० २८ के बिक्री बाद
जो सम्मन में कि जहात ...

बनाम - राजेश्वर राय
ग्राम सकिस्तावाद
था: गर्दनीबाग
जिला पटना

बनाम अवधेश लाल राय
ग्राम सकिस्तावाद
था: गर्दनीबाग
जिला पटना

फिकरा ५ खरीद करने की आमादा हुई जो मो० १५००.०० रु० (एक हजार पांच सौ रुपया) कीमत तय पाया। मामला वजह कहने से वापस मनमोहिनी ने [illegible] की है।

निजस राय

३ मिलाकर मनमोहिनी (कथीर) गारीमा में अपने अपने बहालत सेहत जात वो हवास अकल दुरुस्ती होश वो हवास बगैर किसी जब्र वो दबाव नाजायज किसी दूसरों के नफा व नुकसान की परवाह किये बिना भी सोच विचार कर अपनी खुशी रजामंदी से बिना कोई बहकावे में आये तमाम हकूक वारिसान के मालकाना वो वारिसाना हकूक हकियत के सुपुर्द कर बाकी मात में पारकर [illegible] हैं अपना मालिकाना वो मकबूजा की अपनी अपनी मर्जी [illegible] हक व हिस्सा को पैसा सर्व कितने वो व्यवहार की कीमत मो० १५००.०० एक हजार पांच सौ रुपया बदस्त श्रीमती गुलजारी देवी मौजा आरा के बेचा वो कबाला, पर्चा, दाखिला किया। और जिन गुजारिश सम्मन मनमोहिनी को ३५०.०० तीन सौ पचास रुपया वगैरह अपने मौजा आरा में मौजूद है वह सम्मन २.० में मौजा आरा की मौजा वो महसूल की हिस्सा को मो० ५५०.०० पांच सौ पचास रुपया नकद वगैरह एक (जिसकी वे मौजा (जिसके) ओपीसा मौजा आरा में वसूल पावेंगे। वो बाकी जो सम्मन को मो० ६००/- छः सौ रुपया नकद व वगैरह [illegible]

दफा ६ — अब मैं व महाराजा की मौजूदा और होंगे की दफात
अपनी अपनी जायदाद की [illegible] हैसियत मालिक
मुस्तकिल जायदाद [illegible] मालिक मुस्तकिलन
[illegible] हालत है [illegible] और जो कुछ हो
वह [illegible] मनकूलात की अब मैं व महाराजा
हासिल था [illegible] हासिल है [illegible]
[illegible] और [illegible]
मनकूलात से [illegible] उनकी मालकियत
मुस्तकिल होंगी मौजूदा और होंगे [illegible] हासिल है अब
और होंगी [illegible] मौजूदा और होंगे अब मैं व
रानी के निस्बत जहाँ जहाँ आवश्यक समझे
अपना [illegible] करें और अब मैं व
रानी को अख्तियार चाहे उसको समाप्त कर दें
उसमें मनकूलात को कुछ भी आपत्ति न होगा।

अलावा के अब मनकूलात की शर्त
मैं व रानी में किसी पुरुष की कुछ भी [illegible]
और मौजूदा नहीं है और न किसी [illegible] का कुछ भी
इख्तियार बाकी है अगर [illegible] उसके मनकूलात
की कुदरती [illegible] कायम [illegible] मनकूलात
[illegible] उन बातों के निस्बत अब मैं व
रानी [illegible] सम्मान [illegible] और हो [illegible]
[illegible] मौजूदा [illegible] उनके [illegible]
[illegible] मौजूदा [illegible] राजा [illegible]
नाजायज [illegible]

पे.ग.1. 7

अर्जीनामे मनकूलाजात मौकूफ अलैह की पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि अब मैं [illegible] मिल्कियत हक्कियत मनकूलाजात मौकूफा और [illegible] है और सिवाय मनकूलाजात के कोई दिगर हकदार या क्लेमी नहीं है अगर कोई मनकूलाजात का कुछ दावा मालकाना [illegible] मौका सिवाय मनकूलाजात [illegible] हक्कियत मनकूलाजात कुल या जुज [illegible] हासिल मौकूफ अलैह पर [illegible] मौकामी यान उनके [illegible] कोई [illegible] मौकूफ अलैह को [illegible] करनी पड़ती है तो सूरत में मौकूफ अलैह को [illegible] इसको अख्तियार होगा कि [illegible] मुसलसल [illegible] आदायगी [illegible] हर किस्म के जायदाद [illegible] मनकूलाजात के [illegible] अगर मनकूलाजात का [illegible] आइन्दा [illegible] चाहे [illegible] Deed of Absolute Sale नामा [illegible] श्रीमती गुलाबदेवी मौकूफ अलैह के लिए [illegible] प्रमाण है और समय पर काम आवे। इति

BIHAR 1R 25nP

INDIA

एक रुपया पचीस नये पैसे

ONE RUPEE भारत TWENTY FIVE NAYE PAISE

एक रुपया पचीस नये पैसे

नामजा [illegible]
निशान

१. श्री [illegible] पिता या पति [illegible]
[illegible] खतियानी [illegible]
[illegible]।

२. श्री [illegible] पिता या पति [illegible]
[illegible] श्री [illegible]
[illegible]।

३. श्री [illegible]।

४. श्री [illegible]।

मालिकान [illegible] श्री सीया
श्री [illegible]।
[illegible]
[illegible]।

२ नामजा
निशान [illegible]

[illegible]

[illegible]

नक्शा [illegible]

सही औसीयाराय [illegible] सही
है [illegible]
[illegible]
असल [illegible]

[illegible]

मालियत	मालियत १००८ एक हज़ार रुपया का बयनामा जिसकी मालियत ४१५०८ चार हजार एक सौ पचास रुपया का सम्मन हो चुका।
सम्पत्ति का ब्यौरा	रकबा ०.३ (तीन) डी० रकबा ज़मीन मकान शहरी ... जमीन की कायमी दोसो नकदी लायक सकना ... मय हक ... व हक रास्ता व हक ... मालगुजारी सालाना मालगुजारी ५०१ ... सूबा बिहार जिला पटना थाना नं० १९ (...) हाल थाना गर्दनीबाग सर्वे की सदा ... जिला पटना तौजी नं० ५२२१ (...) खाता नं० १५६ (एक सौ छप्पन) व ... सर्वे नं० २०४ (दो सौ चार) ... २०डी० ... १९ डी० ... पटना ... वार्ड नं० ३७ (सैंतीस) ... पटना कार्पोरेशन ... हस्ब अलग है।

उत्तर	दक्षिण	पूरब	पश्चिम
...	...	... अनीसुज़्ज़मान	... यादव व ... यादव

मुस्तामील

पेज न० ३

[illegible] के शराजी मातसाहिद वाला रवाना नापूपसीया [illegible] तथामुत और शराजीयात मतलूका मानीहाली निस्सीकरान [illegible] है। [illegible] निस्सीकरान [illegible] तोरप बफात वाली अपने [illegible] मुस्तकील [illegible] दखिल है और [illegible] कारे [illegible] मातहोराफ नहालिल [illegible] है। [illegible] मालि[illegible] [illegible] है और रसिद बनाम [illegible] करोता है।

[illegible] के निस्सीकरान को अरूरत रुपया के वास्ते [illegible] किया है [illegible] है [illegible] के सामान [illegible] अरता [illegible] में दिवान है [illegible]

[illegible] तजवीज किया कि [illegible] मातसाहिद वाला रवाना नापूपसीया तजा को [illegible] सम्मत है एक अरता स्याद का [illegible] निस्सीकरान अल्लान किसी शराजी मातसाहिद वाला रवाना नापू[illegible] जाइदा किया गया घूनानचे [illegible] इत्या [illegible] [illegible] ४९५०९ या [illegible] तजवीज [illegible] मातला [illegible] [illegible] है। [illegible]

[illegible] मालिका १००२० रूपये [illegible] वय ख्याला [illegible] मातहत [illegible] वसीका वय [illegible] मालि[illegible] [illegible] [illegible]। निस्सीकरान इकरार करता है कि निस्सीकरान [illegible] वसीका वय [illegible] वय ख्याला [illegible] मवरूपा सन १८९९ ई० वलाम [illegible] मालिकाना या मालिकामोलिद के [illegible] मातहत

का दुगना बयक्त तहरीर के तामील करे [illegible]

बयाना और सम्मन में मिनहा होगा या बकिये और

सम्मन मायोलग ४०५०) चार हजार पचास रुपया

बवक्त तहरीर के तामील वसोला बयचमोकावेल रजि-

स्टर्ड दफ्तर औफिसर मालिकमौलई से वसूल करेगे।

वो मालिकमौलई को अदाय करना होगा और मालिकमौलई

को अदायकरना होगा वो मालिकमौलई अदाय करने के

मालूम के वो पाबन्द है और होंगे। अगर शायद मनमो-

[illegible] बसाला [illegible] बय बयाना बनाम

वो [illegible] मालिकमौलई या मालिकमौलई के इच्छा

के मालोयोक तहरीर वो तामील का दुगना बयक्त तहरीर

के तामील वसोला बय [illegible] बयाना और सम्मन

में मिनहा होगा और अगदाय बकिये या सम्मन

मायोलग ४०५०) चार हजार पांच सौ रुपया-

[illegible] रासि को दायल [illegible] में अर्पण दाखिला

[illegible] के मनमाकिरान ने मालिकमौलई को

पूरा विश्वास दिलाया है कि शय बयाना के निस्बत

[illegible] मनमो किरान मालमौलई और वेरपलीर।

[illegible] सिवाय मनमाकिरान के कोई दिगर हकदार

[illegible]। अगर बावजूद पाक या साफ होने पर मनमाकिरान

[illegible] बजमादगी मनमाकिरान मालिकमौलई खरीददार बजराय

[illegible] और सम्मन मायोलग ४०५०) चार हजार पचास

रुपया वसोला बय बोनस्वत शय बयाना तातारीख ६

[illegible] माह मार्च [illegible] सन [illegible] मनमाकिरान से

तहरीर के तामील नहीं करावेगें तो ऐसे सूरत में मायोलग

१०००) एक सौ रुपया आबय बयाना गिरफ्त मनमाकिरान

सारके [illegible] और मनमाकिरान को अधिकार होगा

कि शय बय बयाना का अपने मसरफ में रखे ख्वाह किसी

[illegible] ५

जो, कुछ उर्जी भी स्टाम्प न होगा। भी बाज़ह है कि पहिलाना अथ तहरीर भी तामील पाने में [illegible] स्टाम्प [illegible] जो दिया खर्च होगा वह सब मालिकान मज़कूर को अदा करना होगा। भी भी वाजह है कि [illegible] मुख्तार होकार मालिकान मज़कूर मालिकान मज़कूर यह रवीला अथ बोमरज़ब शाय अथ बयाना बनाम [illegible] अपने या अपने इच्छा के मुताबिक एक दस्तावेज़ या चन्द दस्तावेज़ अपने नाम से या किसी दूसरे के नाम से मालिकान से तहरीर भी तामील [illegible] तो ऐसे हालत में मावाजा १०० । रुपये [illegible] अथ बयाना मालिकान, मालिकान [illegible] को वापस कर देंगे। भी वापस कर देने [illegible] का पाबन्द है और होंगा।

[illegible] मालिकान [illegible] [illegible] [illegible] व हालत सहत [illegible] [illegible] [illegible] दाख नाजायज [illegible] के नाफा या मुकसान का [illegible] भी सोच विचार करके [illegible] [illegible] वास्ते यह लिखे [illegible] रहे और समय पर काम आये।

[illegible]

[illegible]

वासिका नं० ६३२३

१-नाममोकिरान (विक्रेतागण)

१- श्री जय सिंह राय

२- श्री सरजु राय

३- श्री द्वारिका राय

(४) श्री विजय राय

पिता का नाम श्री सिया जी राय नाना का नाम स्व० श्री चितर महतो

५-श्रीमती गुलजारी देवी पति का नाम श्री सिया जी राय पिता का नाम स्व० चितर महतो मौसुफ

साकिनान मौजा चान्दपुरा पहाड़पुर थाना राघोपुर जिला मुजफ्फरपुर मोकिरान नं० १ ता ४ का नानीहाल वो मोकिर नं० ५ का नैहर मौजा सिरिस्तावाद थाना गर्दनीबाग जिला पटना पेशादारान कृषि

२-नाममोकिरअलैहा (क्रेता)-

श्रीमती गुलाबो देवी पति का नाम श्री शिवनारायण यादव जौकित साकिन पहाड़पुर थाना गर्दनीबाग जिला पटना पेशा गृहिणी

३- किस्म वासिका:-

केवाला वस्ला कलामी

४- तायदाद जरसमन:-

मो० १५००-०० (एक हजार पाच सौ रुपया मात्र

५- जराहत इस्मोवहिया:-

हमगी वो तमामी मवाजी १ एक कट्टा सराजी मजरूआ कौयत कास्त रैयती कायमी वरोगे नकदी लायक सकना घरहट मय हक बनाने मकान वो मय हक सहुलत वो हक मोकावजत वो हक आसायस वो रहायस के जिसकी मालगुजारी सालाना मो० २० पैसे अलावे सेस वो सड़ता टैक्स है वाके मौजा पहाड़पुर परगना वो सर्वे थाना फुलवारी थाना नं० १४ हाल थाना गर्दनीबाग सब वो सदर राजस्ट्री वो जिला पटना कौजा नं० ५२८१

२६४ का रकवा सर्वेखतीयान के मुताबिक २० डी० है जिसमें मवाजी ३ डी० दक्षिण से जुलुम राय इत्यादि वदस्त मोकिरअलेहा के विक्री कर चुके है और मवाजी १७ डी० एराजी मोकिरान की है के जो मौजुदे वक्त नापने से सिर्फ मवाजी ४ कट्ठा ५ धुर यवा चार कट्ठा आता है उसमें मवाजी १ एक कट्ठा) दक्षिण से शय मोवइया है चौहद्दी हस्वजेव हू अन्दर वार्ड न० ३७ सकिल न० २ अन्दर पटना नगर निगम वर्जामिन्दार। विहार सरकार वजरीय अंचलाधिकारी सदर पटना

उत्तर- मोकिरान का वचा हुआ एराजी अन्दर प्लाट न० २६४ जिसमें मवाजी १ एक कट्ठा आज हो वजरीय दिगर दस्तावेज साथ श्रीमती भगवानो देवी के वय किया

दक्षिण:- मवाजी ३ डी० एराजी प्लौट न० २६४ जो मोकिरअलेहा खरीद कर चुकी है।

पुरब- लेडी अनीसइमाम

पश्चिम:- शिवनारायण यादव

मजामीन

अंजाजा के मोकिरान न० १ ता ४ आपस में वेरादरान हकीकी है और मोकिरा न० ५ मां मोकिरान न० १ ता ४ की है।

अंजाजा के एराजी प्लौट न० २६४ जिसकी दिगर जरूरी सराहत खाना न० ५ में वासिका हाजा के दर्ज है मतरूका नानीहाली मोकिरान न० १ ता ४ वो मतरूका नैहरी मोकिरा न० ५ की है के जिस पर मोकिरान न० १ ता ४ अज तारीख वफात मसोमात वासमती कुवर नानी वो मोकिरान न० ५ अज तारीख वफात वो वासमती कुवर मादर अपने वहेसियत मालिक मुस्तकील काविज वो दखिल है और जोत आवाद करके व वादाय लगान मोतसरीफ महासील केहोते चले आते है और नाम मोकिरान की वासिरिस्ते जमिन्दारी दर्ज है और रसीद व नाम मनमोकिरानकटती है।

अंजाजा के मनमोकिरान को जरूरत रूपया की वास्ते वादाय जर

जरूरत सदर की जेब खास से दुश्वार है मनमोकिरान वमशवरे वासुदहा और वेहीखाहान अपने यह राय कायम किया कि बचा हुआ एराजी प्लौट न० २६४ को विक्री करके जरसमन से रुपये जरूरत सदर का कर्ज और मोकिर अलेहा एराजी मुन्दर्जेखाना न० ५ वसिका हाजा को खरीद करने को आमादे हुये वो मो० १५००) एक हजार पाच सौ रूपया कीमत तय पाया। मामला वय के होने से फायदा मनमोकिरान को है।

इसवास्ते मनमोकिरान खुशी वो खाहिस से अपने अपने वहालत सेहत जात वो सवात अक्ल वदुरुस्तगी होश वो हवास वेला देने जब्र वो दवाव नाजायज किसी दूसरों के नफा वो नुकसान को वखुवी समझ वो बुझकर वो सोच विचार के वो मशवरा आजादाने लेकर एराजी मुन्दर्जेखाना न० ५ वसिका हाजा जो हर तरह के वारदैन केफगालत वोह वारदैन चाज वो नुक्स हकीयत वो जुमले खलीशात से पाक वो साफ है मेजा ममलुके वो मकवुजे को अपने अपने मय जुमलेहक वो हुकूक को वेला सर्त फिस्ख वोख्यार के वकीमत मो० १५०० एक हजार पाँच सौ रूपया वदस्त श्रीमती गुल्जारो देवी मोकिरअलेहा के वेचा वो वेवाला वयला कलामी किया और मिनजुमले जरसमन मनमोकिरान मो० ३५०) तीन सौ पचास रूपया कवल इसके मोकिरअलेहा से ले चुके है वह जरसमन मे मोकिरअलेहा को मोजरा वो महसुव कर दिया वो मो० ५५० पाँच सौपचास रूपया नगद ववक्त एकरार रजिस्ट्री व मोकावले रजिस्ट्रींग औफिसर मोकिरअलेहासे वसुल पावेगे वो व वकि॰ जरसमन मो० ६००) रूपया नकद ववक्त तकावीजुल वदलैन मोकिरअलेहा से वसुल पावेगे ववसुल कुल जरसमन शयमोवइया हाजा पर मोकिरअलेहा वो वजाय अपने अपने कावीज वोदखिल वहैसियत मालिक मुस्तकील गरदान दिया वो मालिक मुस्तकील बना दिया वो कब्जा दखल दे दिया और जो कुछ हक वो हकूक मनमोकिरान को शयमोवइया हाजा मे हासील था या आइन्दा हासील होता वह सब कुछ हक वो हकूक वजीनसही और वेला तफरका मनमोकिरान से कलअदम वो साकित वो मुन्तकील होकर मोकिरअलेहा को हासील हुआ और होता जायगा मोकिरअलेहा शयमोवइया हाजा के

हाजा को जिस प्रकार चाहे अपने मसरफ में दर लावे इसमें मनमोकिरान को कुछ भी आपत्ति न होगा।

वजाजा के अब मनमोकिरान को शयमोवइया हाजा से किसी प्रकार का कुछ भी तअल्लुक वो सरोकार नहीं रहा और न किसी प्रकार का कुछ भी हकीयत वाकी रहा अगर विपरत इसके मनमोकिरान या कुदामी वारशान कायम मोकामीयान मनमोकिरान किसी व्यान वो उनवानसे वनिस्वत शय मोवया हाजा साह जरसमन साथ मोकिरअलेहा या वारशान कायम मोकामीयान उनकेदावी वो उजुर पेश करे तो वह व मोकावले वसिका हाजा हक वो वातील वो नाजायज मोतसौवर होगा वो काविल समायत किसी अदालत के होगा।

वजाजा के मनमोकिरान ने मोकिरअलेहा को पूर्ण विश्वास दिलाया है कि शयमोवइया हाजा के निस्वत हकीयत मनमोकिरान मोकमील वौर वेखलीस है और सिवाय मनमोकिरान के कोई दिगर हकदार या स्वामी नहीं है अगर वखेल मनमोकिरान या कुदामी वारशान कायम मोकामीयान मनमोकिरान या ववजह जहुर नुक्स हकीयत म मोकिरान जुज या कुल शयमोवइया हाजा से मोकिरअलेहा या वारशान कायम मोकामीयान उनके वेदखल हो जावे साह कोई वारदेन शयमोवइया हाजा पर आयद होवे वो मोकिरअलेहा को आदायकरना पड़े तो वैसे सुरत में मोकिरअलेहा वो वारशान कायम मोकामीयान को उनके हक वो वख्तियार होगा कि जरसमन कुल या जुज वकदर वेदखली वो कुल रकम आदाय कर दे वो जरखर्च कर दे वलावे लेसारा तावान अपना हर किसीम के जायदाद वोजात से मनमोकिरान वो मनमोकिरान के वारशान कायम मोकामीयान से वसुल कर लेवेंगे इसमें मनमोकिरान या वारशान कायम मोकामीयान को कुछ भी आपत्ति न होगा।

इसवास्ते यह वसिका वेवाला वयला कलामी वनाम वो वहक श्रीमती गुलावो देवी मोकिरअलेहा के लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे। इति

तहरीर तारीख ९ (नौवी) माह अक्टुवर सन् १९७१ ई०

लेखक दशरथ प्रसाद सिंह महल्ला वाकरगंज शहर पटना वस्करार मोकिरान के लिखा पढ़कर सुना समझा दिया।

(५)

सही जय सिंह, सरजु राय द्वारिका राय विजय राय श्रीमती गुलजारी देवी वसिका वय लिखा सो सही कागज पढ़ वो पढ़वाकर सुन समझ लिया वा०खास तारीख १२-१०-१९७१

गवाह- विरेन्द्र प्रसाद सिंह ग्राम- सरिस्तावाद थाना- गर्दनीवाग जिला पटना

गवाह- राजेश्वर राय ग्राम- सरिस्तावाद थाना गर्दनीवाग जिला पटना

गवाह-जवाहर लाल राय ग्राम- सरिस्तावाद थाना गर्दनीवाग जिला पटना

गवाह- राजा राम राय साकिन सरिस्तावाद थाना गर्दनीवाग जिला पटना

गवाह- लोकनाथ राय ग्राम-महाड़पुर थाना गर्दनीवाग जिला पटना

गवाह-सोहराई राय ग्राम- गनुरा थाना फुलवारी जिला पटना

बुक नं० १

जिल्द नं० ११२

पेज नं० ३०८ से ३१२

वसिका नं० ९३२३

सन् १९७१